वं. ~~39~~ 85   शे. नं. ~~726~~ 298

श्रीगनेसायनमः अथालिष्यते मुक्तावली तुलसीदासकृत सर्वसास्त्रम
तः सोरठा बूझिलेहु सबकोइ रामनाम सम मंत्र नहि कयिजन लेहु बि
लोइ निर्गुन सगुन सगुन विचारि दै दोहा रूपकहौ निर्गुन कर सुनौ सनम
न मांह निगम कहै नेति छाहजो है सबरी कोनाह १ चौपाई अवरमकुस
धुरमनोहरदोउ बरनहि लोचन पानि पियजोउ ३ प्रथमलिनि गुन रूप अनू
पा केवल रूप न दूसर रूपा नहि तव पांच तत्व गुन तीनी नहि तब स्वष्टिज
हान लगि कीनी नहि तव ईदु न तरानि प्रकासा नहि तव पावक नीर न वासा
नहि तव गनना एक न सुरेसू नहि तव गुरा सिष का उपदेसू देवि तराम ? नहि
रविसुत के फ इंदुसुता नहि सुतारा विमेऊ नहि तव अरसठि तीरथ में पूजा
नहि तव पांच पुन्य अवतारा नहि तव लिषा पढा संसारा नहि तव वानि गम

१

देवदैत्यनरहिदुजा नहितनपापपुन्नअवतारा नहिनबालिबापठासंसारा नहि
नवानिगमजोऋषिदेषावा नहितनवस्वासनवसनवनाथा दोहा तुलसी
कहैविसेषनेतिकितनमतचकपु नाहि निर्गुनरूपतवसगुनकैरहैनिसंतरमाहि
वहुनादियतचैसे हिगयेउगयेकल्पवहुवीति ।कि पैसरूपरह्यातवाहिलिपैमव
लिवोजीति ३ चौपाई जगउतपतिमहप्रानेअसनपेउ सब्दब्रह्मा हदयोसुन
मपेउ। नामरिरूपअविकामेषा आठभुजावहुआनदेषा पुनिमैनकल
असइस्सामयरु ओंकारकपुनिसब्दकुमयऊ ओंकारसवदमयपुनितेस
देषा ब्रह्माविस्नुमहेसकरेषा तीनोभयेरूपतेभारी दंडकमंडलहाथव
धारी पैसयकेवसजपतिअतीना सगुनरूपकरकराहिनताना अवतरवचन
पचासस्वदचुआपै करतस्राष्टि जोहितेतुमआपै मोचरपदुनाथैपैदेहधा
री वसान्निमैपैउतनचकपैउसभारी तीनौगनतीनोगुनधारहु पेतप

तिप्रसैपोषगेडारु दोहा सहसबदननबुम्हाकेरहेजाइमुषचारि
पहिलेउनयपतिनिगमकेओजगरघानाहि ४ चौः निगमनपेतव
निगुनसाधा जगदेवे व्याधिकोमनबाधा केवलत्रैंतुजपहिव्यातिप्रेमा
नेतिनेतिनाहिपेकाहिनेमा नयब्रसाकितीनोजनेमप्रभु वृषिकरनम
नविस्तमेभप्रभु नवब्रमेहारिदुसमनाधा जगदेवेनवमाप्रडोलाप्र
कीन्हेस्ताषिनिगमलैंहाथा जगदेवानेभेपामनाथा पीतलेमनते
भेसबकापा वेदपुराननारवमहसापा जोकेदुकेहेककोनमुरारी
सोविरंचिहरिकात्रिपुरारी कौर्तिमसवकरभेपाघवेसा व्यादिपुउव
करतिसोभेसा नृपनरेषनव्यासनसुभाउ संतनरहेडिंगमरचाउ
दोहा तीनलोककेसुररदनषनरषसुपसीकाम ग्र्यारंथमहेदषिप्र

चौपाई

जोग्नाकोपरिमान ५ औरोलोकविसेषतेभई स्रष्टिसवआइ वेदपु
रानओसास्त्रमतवुधजनलैहैचारि ६ आपुकैहै निर्गुनसगुनरूपसव
कोइ स्रष्टिनईरिषिसवमिलेगएतीर्थजहहोइ ७ अथवाइपुरानकीकथा ॰
● सवरिषिमिलिसमताअसकीन्ही सुनविरविसोइकरवेलीन्ही तीनौ
गुनतीनौप्रभुभएपूरुष पैकैरूपनषानेमृगपरुष जाए ८ उमगसेसेसवपाउ
नीनौमूर्तिकरलेहुसुभाउ त्रिगप्रथममलिगोनेसिवपासा नेदीपातितव
कीननिरासा वहुतदिवसरीविरहेउनिनारा उमामेस्वरानिकरआगा
रा देइ [illegible] श्रापरीषिकेकेषीसा लिंगपुरुषतवकीनमहेसा तवरिषिगोवि
रचिपहरइ आदरकुछुनभएउरदहदु देइश्रापरिषिकेहिषिसिपाइ
आयुस्यवमाकीनकेहलाई विस्मुनिकरलाएरिषिजवली कमलासग
देषेमुनितवली कीरप्रहारचरननतवघाला जागिउठेतवमदनगोपाला

स्वामीपीड़ापायातिहारे तिन्हैदोषीरिषिमपेसुधारे लैपगारिषिकेदाव़
नलागे हेसुसीसचलेरिषिआगे कहेआइरिषितीनौयाता समनाकरि
लोचननअघाता तबसबरिषिमिलिकीनविचारा निर्गुनसगुनकीनप
सारा निर्गुनपंथपढ़ोकैसपाना जोनिबहैतौपूबबसपाना निर्गुनपथस
वैमिलिकाहा जोउरधरैराममनमाहा पहिलेअंगन्यासजोकरई तै
हिपीछेमननाचितधरई मनकरहांथधोरेजोप्रानी प्रतसभेटेसारा
पांनी परमतअंगमड़ोकरुमनमाना सोजोचितराषमनमाना नि
र्गुनकरउपदेसमेकहेऊ औरमतातिमकछुनलहेऊ छोडौनेरुपोकम
लानारी राजापाटछोडेसबसारी छोडौमौकपुसरुनचढारा छोड
मापासबबिसारा डंडकमंडललेयेहांथे चलुअकेलकोउसंगनसा

ये रैहेउदासीदिनऔरानी रैहेनिरंतरबृतपैसां भीती पापपुन्नकरकौ
नआसा सोपहुचेरघुनाथकपासा अन्हाइ देइनाहिपिंडापानी रैहेसद
मनएकगतिज्ञानी जाइनतीरथकरैनपूजा मानैएकनदूसरहूजा स
धागाएचीकैलगनाहिजाइ जहांजुरैतहितैसैहिधाइ नेमधर्मएकौनहि
जानै मनकालापकरैसनमानै मैअरुतुहतैभैमाइ एकैपानैलानिवड
ई जेयमनलांघहोइनेहिपानी नतलतभैटसारगपानी ढौल जोमन
लाघहोइनहिअनुभमतानहिसागि नौसरगुनकैपथलेइएहजोगीकी
आगि २ चौ॰ वेदलेकररहेतेनारा जोकहैरवसोकरैविचारा पूजैवाउरती
रथकीजै पिंडापानीपित्रदीजै पित्ररूपधारिप्रभुलेइपूजां पिंडा दूसररूप
नदेषिएपिंडा जोकछुपुहुमीतीरथअहु मारोनन्नवेद जोकहहु सरग

नरूपदसौख्रवनारा नाकरसुनमैहू वहुव्यौहारा नामहिसानै जन्ममुरा
री निर्गुनरूपजानौवनवारी वहुप्रकारमैकहौविसेषी निर्गुनरूपकथा
सवपेषी पारिषपेकरलेमातिवाना भक्तिडुगराहै तहविधिनाना दुइभांति
तिपुनिधुवहुनेपाउ गोरषरहैमनमालुकनाउ, नौधाभक्तिपारिषनेरकेरा
नहपीतमचरलीनवसेरा नौमहजाकेपेकोहोउ नारिपुरुषसचराचरकोउ
दोहा नौधाभक्तिकहवमैसुनौरिषिमननलाइ त्रेधातममादाविपेकहौवेवरास
मुझराइ ९ चौ॰ प्रथमभक्तिहरसनहरिसंता दूसरममगुनरहैजंपता तीस
भक्तिकहौनिजभांती गुरपदलीनरहौदिनराती चौथिभक्तिममगुनजे
गावै रहैलीननेनरमोहिभावै पांचहुवेदहिरहपलोभाइ जैसेमर्कटमूठि

४

वधाई गुरकासवदलैकैरपासा रामनामकरकीजै आसा सुभमारगम
हैाअज्ञानी होइननीविनतीमोरिमानी छठौचूमीमोरिअहैपुनीता सी
लेपंतनरहोइवहुता साधेतोसीलवेरताव्रतधर्मा पहजानैापथप्रभुकर
कर्मा आठौजपोलाभसंतोषा कवहमतिवरनैपरदोषा नौमतसरलस
वसोछलहीना ममभरोसप्रहलादहिचीन्हा दोहा नरकापारिवकैरहै मे औ
सरगुनकरमेव वेदसास्त्रसवग्रंथमत जानिलेहुसहदेव १० जोनरहोइसगु
नरतनहिनिगुनजोतिपार सोगृहभीतरनामजपिरैहैउदासमननमार ११ दया
धर्मउरराखिकैओजानैपरपीर गृहउदासीनररहै नाहिमिलैरघुवीर १२ पहिलेअ
पहिचीन्हिकैतवचीन्हैसंसार तुलसीमनकैवोधतामिलततलागुनवार १३
चौ० नवपोवोडरपजैभाई भावैजमुनागंगनहाई भावैनीरथदेइगोदाना

भविसुनै बहुवेदपुराना करुस्नानभावैसहिषाई जबउरमेचीन्हेरघुरा
ई रैहेगुरुमाउसासकीनाई कछुनहिआपनलेषेभाई समओमनमहरग
र्भकवासा पराधीननहिआपुसुपासा नगरआवपुनिनगैनाई जोपहम
नमरुधरुआपनाई गोपवालजोमनमहराषे होइसत्यजोजोमनभावै प
हिलेदेहनगरकेजाने आनपाजाइमेवतवठाने जपतमंत्रसमनमहदिनरा
ती नवदेषेपुनिआनवहिभांती सोसपनानहिआनसेकाहिप देषेपुहमी
सर्गपताला देषेरुपकोटिजोबाला देषेसकलअमरब्रम्हंडा चौदहभुवन
देषुनौषंडा देषेसत्यलोकजोअहई देषेसोजोबातनकहई देषेनिगेनसकल
पसारा देषेलगेनसकलविस्तारा देषेचौदसुनकेलासा देषेरामचरित
सवयालू देषेनहांअंबउजधारा देषेनसांभूधरवहुभारा देषेसरितानोसल

पऔंती नीरपवर्त्तदेससबमांही देहा देषिमोनहूँ विलसेकहैनकाहुभेव रहै
गेहदारासहितसुतकोलिन्नकहसेव १४ जोजोगीवैरागीहोइ गुरुतानिवुन
५ सेयुगासोउ जोमनास्थिर भयो मनताही तौवैरागजोगकाआली के
थालेइकमंडलहांथे चलोव्रकेलकोउसंगगनसाथे पटायठावेलैकेलांथे
सेतयेषमायासोगांथे जोमनआस्थिरभयोननाही घरछोडनवकुतव
पछिताही पेकवातमैकहैनिनारी देषोनिगमनेतिसंआनारी सतगु
गअ्रेताह्वापरिगपरउ नपासिनवकुततपैस्याकरेउ तिनप्रोवरुतभांति
सुषमाना सगुनरूपदेषेभगमाना कलिजुगकेहोइहिस्रसरीतो
निर्गंनरूपदेवैआगिप्रीती वनलगाइनकहकेलबाही प्रभुदेषैवैठघरमा
ही सुतदाराकमलालेहांथा आषुचाक्षिकोउसंगगनसाथा पहप्रभ

षअजपाजपहोई ग्रहैवैदेषेसवकोई दोहा चौवासैजपचहुरहैजानम
हरिनराति यारनलागेतारियरहैप्रसन्नहरिनराति ५५ चौ॰ गुरविनय
धनपावैप्रानी सुनौयुहजनकेहोयषानी अजपाजापकहिहैउमेउ
जेहिनिकलागेसोधारेलेउ भयेउअचलधुवअजपाजागी सुषदेवउकु
कुगतिजानी बहुतवामकेसैविस्तारी अपतारिहैबहुपाहिसंसारी गनि
कातरीसषिदैगाई अजुहनामअजामिलपाई विनाभक्तिकैसेजपायी
नेकाहिपेलोकसुरधायी यडतग्राहरामकहिआवा ततपूर्वहरिनासछो
डावा सोअंततजवदेषेप्रानी पलकाहिमेटसारगपानी दोहा ब्रम्हासि
वत्रिपुरारिहरिजपेजोपूर्षअनुप सोईनामअवकहवमैनरानिकै

भवकूप ९९ तोमरछंद सुमिरेउ सनक सनकादि जे रहे बांधि समादि
गननाथ क्रमभपेलीन जेहि जाप संभीकीन सुमिर नारदादि वहुभांति
जेलागि हरिकोपांति सुमिरेउ सुरेस महेस सुकदेव सुमिरेउ सेस ध्रुव
८ सुमिरि अरु प्रहलाद नपउ अचल हरिप्रसाद मार्कन्डेपावनछंद जापे
नरेअजामिल तगेहु कस्यप जप्पौ दिन राति परसराम जपि वहुभाते नरसिंघ ज
पि भए लीन जस रहे जल विन मीन सुमिरेउ दधि मन लाय जिन्ह पाए
सव सम्मुदाय सुमिरे जो पवन अकास सुर सिद्धि औ मुनि व्यास सुमि
रेउ जमुना गंग सध्यार भास्कर संग सुमिरे जो पावक नीर जै तिते भए
मौ भीर भैधर सुमिरि गुनग्राम भए अच मेरु हनुमान जयदेउ को

दिनेतीस पेकनातधानुकेईस जेनजपेमनाचितलाइ तेरामपरची
पाइ दोहा आपनआपनआपुकरविपलिषिपूजतमीति सकलहोइ
मनकामना तुलसीप्रेमप्रतीति छरतोमर नरमुभिरुगोरषनाथ जेहिधा
मादियेरघुनाथ मासेद्राभपेलीन रामानंदनपेप्रवीन भपेसिद्धिदासकवी
र जोजानुजनपरपीर रैदासजातिकाछोट प्रभुकीनससोमोट नाम
देवपतिनाम तेनकीनलरिसोकाम सत्थलसोदुधपिपाइ तवदेबिस
वसकुचाइ मुमुलीनभातवदेषि संतनकामारगपेषि जलदसाधर्मसरी
र तरुजाननरपरपीर जलषोजिलेमोहिदास रहैषोजिसकलसुवास
जेमनकोपुरमीबार बैठेसवैमनमलार दोहा रामनामसमआननहिजपो
संतमनमाहि रटहुनिरंतरदेवसनिसिजनमपदारथपाइ १२ एनिम

पुरुषकेन्यपरलेषहुहोइ जेहिपाहि रामनामकीरटनमहरहैलीनमन
मारि १९ मध्यमपुरुषवरनेनंपुनिपहमध्यमपुरुषकैरीति हरिसनुप्रीतिन
करुपरतीती नीककरैनेहसननाहिहोई करिगुनदोषविधातहिदेई
मनचंचलारहैदिनराती काहूसोंसत्यकहैकोहिभांती सपथकरतम
नतधनुनाहिडरही तासोछलबलबहुरिसोकरही अस्तुतिकरहलनएतेहि
पाही सोजानैअसहितपगनाही नैनबोरजोवहुनरजाई निद्राभ
रैनकरैभपलाई दोहा मध्यमपुरुषकीरीतिपरलेषरहोइजेहिपाहि रा
मनामकेध्यानकारवैठीवाकी छांह २० अधमपुरुषवर्ननं चौ० अध
मपुरुषजानिउपाहिभांती परदारारतिरहादिनराती निंदावहुतनप्रा
नप्रियधरही निंदाहितदुसमनजगकरही देविस्वासजोरहैछिपाई

बिपिनिबात्तमहदेइलगाई जेनरतौलनापदेइघाटी करतआमजेघ
लैकाटी बनमहमारगसत्तजोपारै पीवतनीरजीवजेमारै सरनाहि
ग८ राषिकाटिजोदेई आपनजीवबचावैजोई साषीभरैमिथ्याजेजानी
ताकहमाहिषदेइजमआनी भ्रातहिभ्रातहिबिग्रहलावै सदाअघो
रनर्कतेपावै नराधैपरधनहितलागी कबहुकपरघरलावहिआगी
रोरौनकेपुनिताकहसाजी अंतहुताकरहोइअकाजा धर्मपंथपुनि
लावहिबाधा कहतहैअनतहोइतेसुधा तोहिबिस्वासरहैनरजाने ना
करषाइनोननहिमानै अंतहुताकरहोइअकाजा बिपिनिबसैजोअभ
नीतिरवाजा ताकरमुक्तिकबहुनाहिहोई जैसेअनानिंदाकरसोउ न
८ कैमप्रानकहलानजाई पराजोइसोइआनीनाई स्वामीजासुभरो

८ सोसोवै तेनरहगाजासुधनषोवै औरकरतामीचहुतजोअहही ति
नंकरनामकहौंलगिकहही दोहा प्रथमचीन्हिकैरीतिप्रहितुमैकहे
रिषिराज नीगिभातिकेपुरुषजगमूजैसबनरराज छंदत्रोटक उति
मपुरुषकलिमाह जेन्हपायहरिकीछांह तिनकहसदाविश्राम हरि
रहैआठोजाम करूजापुजहबहुभांति रारहैनादिनराति परदाररतम
हनारि उरराम कीचहुषांहि भूपालपुहुमीमाहि नरषैठियाकीछांह
सोविभोतिनकरराव सहसासोबहुलाव विस्वासदैकरत्रास हितद
नाहि विसोवैत्रास राषैजोमोतीसप कानिकरापुजेसेप रतालिप्तहोहि
नाहिजानि भूमिजलअपरपउपानि सोपुरुषपुहुमीमानु रविसुतनक
रैसनेमानु तेहिनिकटकबहुनआव सोअंतसरपुरपाव दिलसो

जसोकरुकाम तोहिसैंनामिलिहैराम उत्तिमपुरुषकीरीति असुदुखसौन
हिप्रीति असज्ञानुजोकासिमाह सोअंतनदैनाह दोहा असेपुरुषविसेषिते
षोजिदीषिनरकोइ जाकीरहिगातिदिषिए अवसिमुक्तिसोइहोइ चौटके प
ञ्मंगनानिःकाम हरिकथाहैतहिधाम गहेजोहरिनाम रटिरहेअठोजाम
कैसोहैरुपसरुप ग्रंथनकमाराभूप पेठेरामचारितवनाइ दवश्रवनतपुरुखकाइ
जहह्याधर्मसरीर तहजानुनरपरपीर जहजैसोदेषैभाव तहतैसेगातिमनला
व दोहा हिपक्षारेकूटैनयनजेसोतनकेहिकाम द्ववैधैपुलकैनहीतुलसी
सुमिरतराम उत्तिमपुरुषकिरीतिसहससछममतिपरगास ज्योनिजवलञ्च
नुमानैकैसाषीउँञ्चकास २८ अधमपुरुषलक्षन दोहा करनहरिसनप्री
तिनहिमनतस्थिरभाव कुपथपंथमहलीनरहुञ्चनुछलछद्रमदाव चौटके नहिम

२ रहिहरिसनप्रीति मनमायालीन्हेउजीति काहूनकहुसतभाव छलापेंडवहु
मनलाव करिसपथदेविस्वास पुनितासुकरैविनास सबसोकरैछलजा
नि नाहिनेरसारंगपानि देखासबोडरवीच तेनरकरैघरिकीच दोहा म
ध्यमपुरुषकीरीति यह जानिलेहुसंसार रामनामकोध्याननाः नाहिपापलियेसिर
भार अधमपुरुषकोरूपयह समुझिलेहुनरकोइ ज्ञानहुपाईनरअधमहैऐहितेसब
घटिहोइ त्रोटक अधमकोयहरीति परदारसोकरउप्रीति परनिंदकरवषानि
पिसुनकरमतजानि ताकेमनवसतखोटि पिसुनवहुमनवोटि करतनिंदकरै
षषानि हंसतैकरैघटिजानि विस्वासेदेकरउघात देखागोनविपिननियात अ
मकुलजवलाग तेहिनासकरैअभाग नरतोलिघाटिजोदेइ तेनरकपरवी
लेइ खरखनरकसोजाइ कहदासतुलसीगाइ हितवसनजोमनमार

अधमनिनकोनाह ग्रीषमजोनीरविसेष वधकैरेजोजिपूपेष जोपिपतज
लाभिभेद तेहिहंतेनजेपपवेद चाउलनरसोइआइ असपरसनकरबनाहि
कहैसा ह्रीमिथ्याजांनि तेहिजानअघकीषानि दोहा अधमपुर्षकोरूपँजो र
अमिलीकोज्यंम असेपुरुषेरामजीतजुहारिलज्योभूमि तीनिभांतिकेपु
रुषमहिकैरेजोसवेनिवास रामनामकोध्यानकनुबैठीनरकोपास अजमा
जायकारिदेवीनरोअल्यमातिषान तीनिभांतिकेपुरुषजगजपारितैअंतवेया
न पुनःसास्त्रमत देहनगरमहराजारहई ताकरनैदनकोउलहु रहेगभ
मासदाभुलाना पांचोवसेतहांपरधाना ताकेलछिवलभरहासा पराधी
ननहिंआपुसुपासा नौकेरानलकोटिसवारा तहवांलागेदसोदुवारा चांद
सुर्जनलफैरैनयासा निर्भैपरननाहिपैवनासा मिलैंहूयउगननलहरहु है ९

षैसचचीन्हि नाहि सकई बंकनाल कै साधि जब जानै तब चढ़इ षंभ रोपि भुउ मानै
दोउ षंभन्ह मह रेस मडोरी झूले देव तैतीसो कोरी द्वैसे षमन नगर महररलु कौरि
पेक मह विरलो लहई कपनी कपे ते को पुनि होई झूले गा पूर्व न बूझे सोउ सर
वरपेड सो कबहु न सषै कमल ऐक न हलालै पषे तालि महवसे जंतु बहु तेरे सोरा
जो के आवन नेरे नागिनि रूप रहे पक साथा ते के दहन गे रलन माथा रहे मोह महल तहं
नरनाथा वसे को धीत चोप से हंथा पक सो पक संग नाहि होइ रहे भिन्न गति पाव
न कोइ वडवानल करइ हे प्रभाऊ मिलै न काहू रहे सुभाऊ कबहु न बूझै षाजे ताले
रहे अ्सो पतेहि नगराहि माली नृपकरहु नामिलि सवेवेहोंथा नृपाहि मिलै तो हो
इसनाथा देषुन कोऊ षोजन चाही रहु चेला पतेहि नगराहि मांही दोहा इड़ा
पिंगला सुषमना रहे नगर रषवार चांद सुजे दुइ वसंत हि पाप पुन्न निरधार नृपके

ध्यदुनहै मनहै वाको नाम वेजोऽस्थींमावहै तोपूरन सब काम चोटक मन
हांथ करूनरसोइ सोइ नगरराजा होइ सोइ जीतिलेसंग्राम सोइ पावै बैकु
ठै धाम मन चीन्हन रजो कोइ सोइ नगरराजा होइ कठिनुन्ह केते रिषिराज
मन हाथ पतौ सब काज मन हांथ जाके होइ सोइ नगरराजा सोइ सब हो इम
नेतकाज मन हीं न भूंजे राज मन जानु सबा विख्यात मन लीने हो तत्रघात
मन जौन हांथे होइ तौपै कवकरून रसोइ गृहस्थको जो काम सोइ लेत रहु लरि
नाम बिसरि सोइ नहि जाइ कवहूं उठै मन नगाइ कवहूं काम न मन लागि कवहूं कैह
रिहरि भांषि कवहूंकै दंप्रत्याग्र कछु दुर्वलि हिष बोहुव रहै धरम राति नरमाति
सोइ जाइ जमरध्यटारि जो श्रीसिपरालीन न होइ तौपै काकरन रसोइ सधा समैम
न जानि नरपाप करू परिमान जो सरा वर्तैकै राय सो जानु नरकै भाव

अतिथपालजनराषि तेहितीनिदेवहेसाषि जबअजनताकरहोइ तेहिजनम
नपूछैकोइ जोअसीसाकिनहोइ तेपिककरुनरसोइ मनदयाराषेजोइ श्री
रामजपुमनसोइ दोहा रामनामकेमोह जेबोइबीजअबाइ दुषअवैनाहि
हैसषापरेजाइ अजपाजापकरिदेषो तेरो अल्पमतिग्यान तीनिभांतिभेतु
तुयजगजैपैतेअजनेवान अजपाजपकरंपथपहिओरलोकसभाव पाहिअज
पासोइजपैजापररामप्रभाव चौ: अजपाजापककवनविधाना कौनभांति
देषीपुरनाना अजपाजापककवनप्रभाउ रिषिवरकेहेसुनौसुषदेउ पहिले
ओसकहेजोवेद तथानिग्रहकरिपृछबभेद भेदपाइग्रहकेजबपावा अजपा
जापककौनवनावा मन्त्रकहौसुनौसज्ञानी जोपतनीविनामीमोरिमानी
करैनेमदिढमनजिपज्ञानी जेहितेआगावमनाहिपानी जपैअर्धनिसि

दससहसबारा क्रपाकरैंनवरामउदारा नामप्रभासषट तंत्रहिदेई मंत्रजा
पगोकरनरसोई देषैअमरपुहिमिषुताला देषैनृपकोटिनोकाला दे
षैअषिलअमरावतिजहा देवलोकदेषैमनमाहा देषैअमरसुरपतिसब
जोधा देषैदेवनपकोबाधा देषैमहिजहसकलपसारा देषैसेसओसक
पतारा देषैअमरसकलब्रंमंडा चोदहभुवनदेषुनवषंडा देषैसातोंसा
गरजहां चौदसभ्रनदेषैमनमाहां निर्गुनसगुनकदेषैभेउ देषैसोजोहि
देषनकोउ देषैतहांत्रषाडिनधारा देषैतहामूधरबहुभारा जपताहिमं
त्रहिब्युमतिहोई तिरवेनीकीसंघटजोई आपुहिधालिहैवज्रकेमारा
मनपैठनतेहिलागुनबारा देषिहैबहुतकहौकाघोरा कबिबरकहैमंत्रसु
नुमोरा इहैमंत्रमेकहौबुझाई जापिहैनरप्रहिमिनाचितलाई दोहा

अजपाजापकमें अपहिं जापिनरसयसंसार सोनरभौसागरतैरैं तरत
नलागैंवार परुसैकेमन्त्रा पुमहंदधिआवसवठाव स्रसनतेपरसन
भएउरहे अवंतदसवठाव ४८ चौ॰ मंत्रकविधिपहिलेनरीहिं हिं एकरिहो आ
सनभेद मनमहाचितधरही पहिलेबेदीरेषापरही तीनिभाँतिकेग्रहउमरही
निमुठलापछैपापपछारहि सत्रेहिकुटलाकोकिमहिंडारहि बिसाबिसुक
हिअचवनकरिहै बेदीनिकटपावलेधरिहै सातबेरकेरकानेधरही ठाठभए
नरअचवनकरिहै दोहा बैठतीनिअचवनकरैपश्चिमदिसाकरंत राम
कहैबेदीतटअसरतीनिछिपंत ॐ पाश्चिमदिसाहोइआसनसाधे त
वलैपरमनतीकहवाधे असरपाचजोमंत्रजपता अनतु
मेटेश्रीभगवंता जोकछु जोकछुकहेउप्रपमाविसारा सो

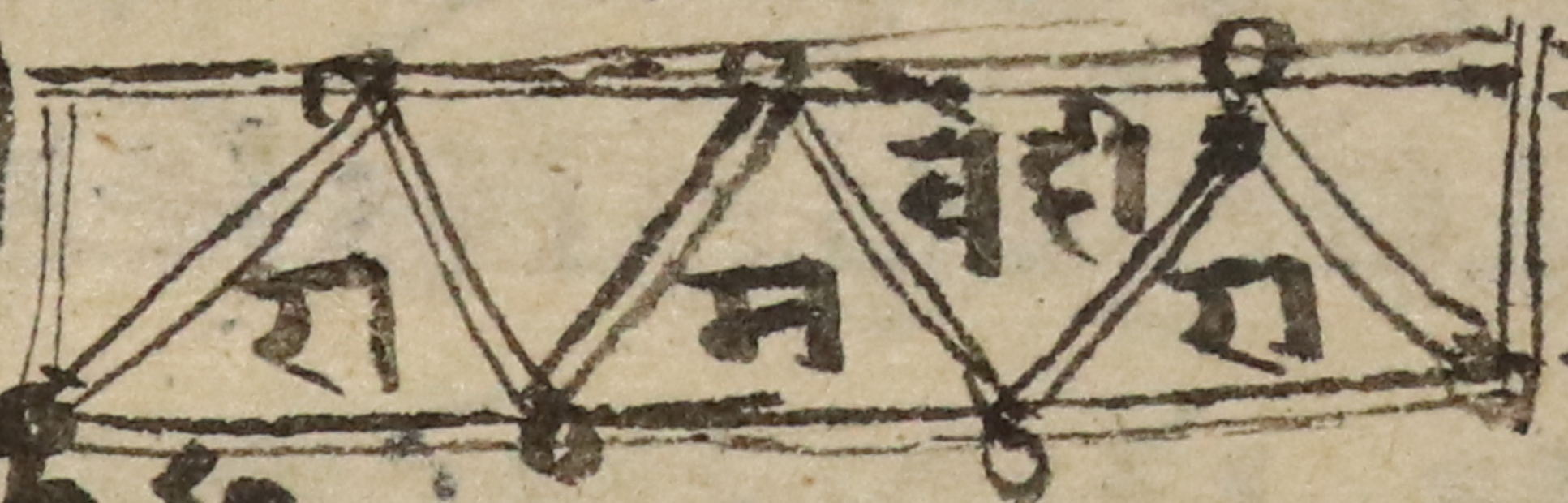

देषनतेहिलागुनबारा सहसवारजपिमंत्रदिढाएऊई नवआसनदीजैनिवआ
ई दोहा सहजवारजोनाजपैतोसतवारजपंत गगुरहोमकरिअषदलकौरअगि
निपरजंत होमराषकुभकभरैषटकुभकषटमास नवलेसवधरनीतसेजह
वेदीनहवास ४४ चौ॰ तीनिरतीगुगुरपरमाना होमकरैपाठिमंत्रविधाना ती
निवेरमंत्रपाठिहनै प्रातभिस्मकुंभमस्तगुने अैसेहिषटमासहिनिपरावे त
सतसदिव्यज्ञानतेहिभावे जवषटमासहोइतेहिप्राती तीनिलोकदेषे
मनज्ञान दोहा पुरस्चरनकारिहैनवहिअसिरपांचसुजान उभैभांतितेमंत्रप
ठिएकैभांतिसोजान ४५ चौ॰ एनैभांतिजापिहैनरकोइ एकैभांतिनहोइगोसा
ई अथमंत्र रामरामरा जोनरजपहितत्वकरिपेही रविसुतनिकट
नत्रावितेही किरिनरपेभवककचहुनआवे पदनिर्वानधाम
सोइपावे जोकलवेनीमज्ञनहोइ महापुरानसुनेफलजोई जोफलगपा

१३

पिंडदियेदाना सोफलमारथ्यसर्जेपुराना जोफलजगन्नाथदरसाये
जोफलगंगाहोइनहाये जोअठसठितीरथअस्नाना जोफलजग्यप्रसहाकेहा
ना जोफलसंध्याअतिथिहिदई जोफलअतिथिथिहिराखेकोई जोफलव्रत
एकादसीकियेज्ञो जोफलचरअस्ससिसिररितुदिये जोफलमेघकेबुंदियेदाना
जोफलसुनेबहुवेदपुराना जोफलसरनराखिनरकोई जोफलकन्यादा
नतेहोई औरफलबहुतकजगमाँही पोथीराममुकुतासमनाही दोहा
पिकएकफलग्रंथमहपहिमहसबफलआहि निर्गुनफलसरगुनमहतपाहि
अजपाजपताहि ४८ चौ० तेहितेराममुकुतावलिभयउ वेदपुरानसास्त्रमत
लयउ रामनामजोकरहिउचारा नतरेहांधिसोइउतरैपारा निर्गुनमत
काहूपाहिहोई वेदकीगतिचाखैनरकोई निबेहनसीदोइपषडोला निरगुन
सरगुनबिस्नेबोला तवभेददेखेउरामककिंकर रामनाममन्नाकेउरसंकर

नवतत्वकेहेउहनुमंता। दोउपंथतवकेहेउतुरंता। जोपथकेहेउमोरिगति
नांही जोपंथुकेहेउनैसवचाही पंथएकनिर्गुनकहुकोउधरही अस्नानओ
धवाधानहुकरही निर्गुनपंथकाहुपरदेषा। नारिपरमर्केटकरअसलेषा।
भंगकरैनदरसनानहिआवै मर्केटालिहलेजनमगवावै अैसेबाजदेहुमनमाही
दुपोपंथडगमगसवपाही निर्गुनपंथकसगुनएयासा। भैभेत्रिस्माकरैविना
सा भूपतिरहैताातिमहत्यागी मोटिएकमहकोइवैरागी जाकेरामहृदयनहि
आसा अोपरपीडहरिमनचितलावा। जोरहैउदासीदिनअरुराती लोककम
कामकरैबहुभांती आपनभेदनकहुकेहिपाही जलजपत्रजोरहुजलमाही अ
जपाजपनजानैकोई वासरनिसातनमनदेई परदारातिमुषरहुकैसे जीवमापा
संगकेवसलजैसे अैसेभूपतिकालिमहहोई पदानिर्बानपावपुनिसोई चारिउवरन

मायालपटानी मरतबारलगितकनजाना। त्रिस्नामोहदंभमनराना।
१४ परदारापरधनकरघाता। परकरभलानदेषेसुनै अपनेधरःनपरममताग
नै जन्ममतान्हरामनिनाए। बुडिहैसबैसकलुससाए। जवदेषाकालिस
केनाचा। तवमैपवनतनैसोजाचा। वारानसीसंभुअस्थाना। कासीमध्य
कहोहनुमाना। कामागोतुमरामकेसेवक। जोकेविभौदेवकेदेवक। तव
मेकहासुनिपेसवलायक। करीक्रपामोहिनरवरदायक। सोपपकहजोराम
हिसुमिरैऊ। विनप्रयासभौसागरतरेऊ। तवअसक्रपापवनसुतकीन्हा।
वेदपुरानसास्त्रमतचीन्हा। करउराममुक्तावलिजाई। पढिसुनिनरजोईते
नाआई। तवहिराममुक्तावलिकीन्हा। आज्ञाजवहिपवनसुतदीन्हा। दोह
प्रेहीनामविरंचिसिवविस्नुरहेलवलाइ। सोईराममुक्तावलीनिगमक

हैजोगाइ पैसेबुधजनदेषियेग्रथनकहुवोइ पवननतनैकीस्रासनपा
पउसबप्रविलोइ त्रोटक जोनरयेपठदिनराति चित्तदेबहुभांति त्रोसुनैन
रजोकोइ नेहिरामपदवीहोइ जोसुनैधरिकैध्यान सोपावपदानिर्वा
न ताकोजेकोसुषहोइ त्रंगत्रगरहैनसोइ ज्योनरसबकैपुज नेहिदेषि
पावकेगुंज सोतातिदेइजराए तससुननपातवजाए दोहा सबपुरानकर
जीवपारि त्रोकलिमहइतिहास निर्गुनसगुन विचारकैप्रगटै तुलसीदास
भक्तिराहकहपवनसुत कहिदीन्हेउतवमोहि हरिजनजगजोमोहिसमपि
पुषबसुसुइलेहु पठैसुनैमनलाएकै जोजियधरिविस्वास सोनरमोसे
निकासिहैपहुचैरघुपतिपास हनूमानसोविनतीकरी त्रसीमाअजर
ईस दीन्हेउचरमोहिवचनदिढ पांचवीसत्रउवीस जवत्रैसेवरपाए

उतवकीन्हेउपाप्रकास पढिसुनिनरभवनिकरै पहुचैरघुपतिपास
इतीश्रीराममंत्रमुक्तावलीतुलसीदासकृतश्रीहनुमांनासिक्षापांसमा
प्तसुभमस्तु श्रीसीतारामज

३२
राम मंत्र मुक्तावली पं. ३७ ग्रा.सं. ५२८ ६५

५२८

२७४